जून, 2025

माह के दौरान 16 कार्यक्रम

कॅम्पस में	ऑन-लाइन
11	04

स्थल पर

01

माह जून में प्रमुख कार्यक्रम विषय

- भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए "राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय निधि के माध्यम से जलवायु वित्त तक पहुँच: स्वैच्छिक कार्बन बाज़ार से जुड़ाव"
- आरसीबी के लिए निवेश और कोषागार प्रबंधन (ट्रेडिंग गेम के साथ)
- 'प्रशिक्षण तकनीकों पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम' पर अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी कार्यक्रम
- माविम के लिए कृषि हस्तक्षेपों पर अनुभव भ्रमण सह प्रशिक्षण
- 'ग्रामीण सहकारी बैंकों में साइबर खतरों की रोकथाम और प्रबंधन हेतु रणनीतियाँ
- 'एमएफआई के लिए ऋण पोर्टफोलियो निर्माण और जोखिम प्रबंधन
- 'असम के 11 एफपीओ के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

भविष्य की खेती: विश्व पर्यावरण दिवस पर बर्ड ने जलवायु कार्रवाई की शुरुआत की!

- बर्ड, लखनऊ ने विश्व पर्यावरण दिवस पर "छोटे किसानों द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि एवं आजीविका को अपनाना" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- कार्यशाला में एफपीओ को नवाचार के माध्यम के रूप में रेखांकित किया गया और जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियों, फसल विविधीकरण और जल प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया गया।
- सीएसआईआर-सीआईएमएपी, आईसीएआर-एनबीएफजीआर, टाटा-कॉर्नेल संस्थान आदि संस्थानों के विशेषज्ञों ने बाधाओं को दूर करने और लचीलेपन के लिए कार्य योजनाएँ तैयार करने पर अपने विचार साझा किए।
- प्रतिभागियों - मुख्य रूप से एफपीओ किसान सदस्यों - ने सक्रिय रूप से भाग लिया और जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर टिकाऊ कृषि के लिए व्यावहारिक रणनीतियाँ सीखीं।

माह की मुख्य बातें

1 आईएफएस अधिकारियों के लिए जलवायु वित्त और स्वैच्छिक कार्बन बाजार तक पहुंच पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

- भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारियों के लिए 02 से 06 जून 2025 तक "राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय वित्त पोषण के माध्यम से जलवायु वित्त तक पहुंच: स्वैच्छिक कार्बन बाजार से जुड़ना" शीर्षक से पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसे एमओईएफसीसी, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- कार्यक्रम का उद्घाटन बर्ड, लखनऊ के निदेशक डॉ. निरुपम मेहरोत्रा ने किया, जिन्होंने अंतिम छोर तक प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए जलवायु वित्त जुटाने और कार्बन बाजारों का लाभ उठाने के महत्व पर ज़ोर दिया।
- कई राज्यों के वरिष्ठ आईएफएस अधिकारियों ने कार्बन क्रेडिट तंत्र, दिशानिर्देश और परियोजना डिज़ाइन पर चर्चा की और किसानों के लिए सफलतापूर्वक कार्बन क्रेडिट अर्जित करने वाली एक परियोजना का क्षेत्रीय दौरा भी किया।
- उत्तर प्रदेश सरकार, बर्ड संकाय और GIZ के विषय विशेषज्ञों ने सत्रों का नेतृत्व किया और व्यावहारिक और नीति-उन्मुख अंतर्दृष्टि प्रदान की।
- मिशन कर्मयोगी के तहत iGOT प्लेटफ़ॉर्म पर एक मिश्रित शिक्षण मॉडल के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम को प्रतिभागियों से अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा इसकी सराहना की गई, जिससे बर्ड इस उभरते क्षेत्र में एक प्रमुख क्षमता-निर्माण खिलाड़ी के रूप में स्थापित हुआ।

2 प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण तकनीकों पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

विदेश मंत्रालय और भारत सरकार के सहयोग से ITEC सदस्य देशों के लिए 16 से 20 जून 2025 तक बर्ड परिसर में प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एशिया, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और यूरोप सहित 4 महाद्वीपों के 20 देशों के 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 5 दिवसीय यह कार्यक्रम केस अभ्यास, व्यावहारिक सत्र, वीडियो समीक्षा आदि से युक्त था। कार्यक्रम को इसके इनपुट और कार्यप्रणाली के लिए अत्यधिक सराहना मिली।

शब्दावली

परियोजना तैयारी सुविधा (पीपीएफ)
पीपीएफ का उपयोग बैंक योग्य, निवेश-तैयार परियोजनाओं के विकास के साधन के रूप में किया जाता है, जो परियोजना स्वामियों को तकनीकी और/या वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। इस सहायता में कई प्रकार की गतिविधियाँ शामिल हो सकती हैं, जिनमें शामिल हैं: परियोजना व्यवहार्यता अध्ययन करना, जिसमें धन-मूल्य विश्लेषण भी शामिल है; खरीद दस्तावेज़ और परियोजना रियायती समझौते तैयार करना; सामाजिक और पर्यावरणीय अध्ययन करना; और हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करना।

हमारे आगामी कार्यक्रम देखने के लिए QR स्कैन करें

www.birdlucknow.nabard.org

श्री करण शर्मा, स प्र., बर्ड द्वारा तैयार